सांस्कृतिक विभाग

२०१८-१९

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज
जंगल धूसड़, गोरखपुर

बाल गंगाधर तिलक महाप्रयाण दिवस एवं पुरुषोत्तम दास टंडन जयन्ती एवं नवप्रवेशार्थी विद्यार्थी स्वागत समारोह

सत्र की शुरूआत 1 अगस्त से नियमित प्रार्थना सभा से की गयी। प्रार्थना सभा का आरम्भ सत्र के प्रथम दिन सुश्री वर्षा जायसवाल, सुश्री ललिता (बी.ए. द्वितीय वर्ष), सुश्री नीलम दूबे (बी.एड. प्रथम वर्ष) एवं सुश्री राधिका (एम. ए. प्रथम वर्ष) ने राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सरस्वती वन्दना तथा ईश वन्दना प्रस्तुत कर किया तत्पश्चात् नवप्रवेशार्थियों का स्वागत स्वागतगीत द्वारा किया गया।

बाल गंगाधर तिलक महाप्रयाण दिवस एवं पुरुषोत्तम दास टंडन जयन्ती के अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उपरोक्त दोनों महापुरुषों के व्यक्तित्व पर अपना विचार व्यक्त किया। इसके साथ ही साथ नवप्रवेशित विद्यार्थियों को स्वस्थ परिसर संस्कृति से भी अवगत कराया। इस अवसर पर सभी शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

''बारिश का परिणाम शरीर पर और उसके द्वारा मन पर होता है तो प्रार्थना का परिणाम हृदय के द्वारा आत्मा पर होता हैं''

सप्तदिवसीय राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यान माला उद्घाटन समारोह

7 से 13 अगस्त तक आयोजित होने वाले राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यान माला का उद्घाटन कार्यक्रम 7 अगस्त को सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत एवं कार्यक्रम की प्रस्ताविकी प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव द्वारा प्रस्तुत किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद् एवं भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली के सदस्य सचिव प्रो. रजनीश शुक्ल ने महन्त अवेद्यनाथ जी के जीवन पर प्रकाश डाला तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद के माननीय कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने की।

कार्यक्रम में सरस्वती वन्दना, स्वागत गीत, एकल गीत (निर्माणों के पावन युग में....) तथा राष्ट्रगीत सुश्री वर्षा जायसवाल, सुश्री नीलम दूबे, सुश्री राधिका शर्मा, सुश्री रितिमा पासवान, सुश्री किरन वर्मा एवं सुश्री निशा ने प्रस्तुत किया।

व्याख्यान माला का दूसरा दिन

8 अगस्त को बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के सेंटर फार स्टडी ऑफ सोशल एक्सक्लूजन एण्ड एक्सक्लूजिव पालिसी के समन्वयक तथा राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रोफेसर प्रो. टी. पी. सिंह ने 'भारत उभरती हुई महाशक्ति–एक विश्लेषण पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में उपस्थित दूसरे वक्ता अर्थशास्त्र विभाग के प्रवक्ता श्री मंजेश्वर ने जी.एस. टी. चुनौती एवं संभावनाएँ विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ सुश्री वर्षा जायसवाल, सुश्री नीलम दूबे एवं राधिका ने सरस्वती वन्दना के साथ किया गया तथा अतिथियों का स्वागत सुश्री राधिका एवं सुश्री निकिता ने स्वागत गीत से किया। कार्यक्रम के अन्त में वन्देमातरम् सुश्री नेहा मिश्रा, सुश्री माधुरी उपाध्याय एवं सुश्री स्नेहा गुप्ता ने प्रस्तुत किया।

व्याख्यान माला का तीसरा दिन

9 अगस्त को कार्यक्रम का शुभारम्भ सुश्री वर्षा जासवाल, सुश्री राधिका, सुश्री नीलम दूबे एवं सुश्री हिमानी मिश्रा द्वारा सरस्वती वन्दना प्रस्तुत कर किया गया। व्याख्यान माला के तीसरे दिन दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के प्राणि विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार सिंह का स्वागत सुश्री वर्षा जायसवाल एवं सुश्री नीलम दूबे ने स्वागत गीत से किया। अतिथि महोदय ने ''कार्बन से परे ऊर्जा का भविष्य'' विषय पर अपना शोध परक व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में दूसरे वक्ता के रूप में महाविद्यालय के रक्षाअध्ययन विभाग के प्रवक्ता डॉ. अभिषेक सिंह ने ''वैश्विक परिदृश्य मे भारत की नाभिकीय नीति'' विषय पर उद्‌बोधन दिया।

कार्यक्रम का समापन सुश्री वर्षा जासवाल, सुश्री राधिका, सुश्री नीलम दूबे एवं सुश्री हिमानी मिश्रा द्वारा वन्देमातरम् के साथ हुआ।

व्याख्यान माला का चौथा दिन

10 अगस्त को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग की पूर्व संकायाध्यक्ष एवं पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. शैलजा सिंह ने ''वैश्विक परिदृश्य में भारतीय शिक्षा विषय पर व्याख्यान दिया। दूसरे वक्ता के रूप में उपस्थित महाविद्यालय के ही रसायन शास्त्र विभाग के आचार्य डॉ. राम सहाय ने 'दैनिक जीवन में रसायनों का प्रयोग' विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में सरस्वती वन्दना, स्वागत गीत एवं राष्ट्रगीत सुश्री वर्षा जायसवाल, सुश्री रितिमा पासवान, सुश्री राधिका एवं सुश्री नीलम दूबे ने प्रस्तुत किया।

व्याख्यान माला का पाँचवा दिन

11 अगस्त व्याख्यान माला के पाँचवे दिन इलाहाबाद विश्वविद्यालय के हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग के आचार्य प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह ने ''राजनीति कार्य संस्कृति एवं एकात्म मानव दर्शन'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। दूसरे वक्ता के रूप में महाविद्यालय के हिन्दी विभाग की प्रभारी डॉ. आरती सिंह ने ''राष्ट्र निर्माण में हिन्दी साहित्य की भूमिका'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में सरस्वती वन्दना, स्वागत गीत एवं राष्ट्रगीत सुश्री वर्षा जायसवाल, सुश्री रितिमा पासवान, सुश्री राधिका शर्मा, सुश्री किरन वर्मा एवं सुश्री नीलम दूबे (बी.एड. प्रथम वर्ष) ने प्रस्तुत किया।

व्याख्यान माला का छठवाँ दिन

12 अगस्त को कार्यक्रम का शुभारम्भ सुश्री निकिता, सुश्री राधिका एवं सुश्री रागिनी पाल द्वारा सरस्वती वन्दना प्रस्तुत कर किया गया। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के भौतिक विज्ञान विभाग के आचार्य एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. रविशंकर सिंह ने ''प्रकाश बोध का संक्षिप्त इतिहास'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। दूसरे वक्ता के रूप में महाविद्यालय के इतिहास विभाग के प्रभारी डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने 'स्वतन्त्रता संग्राम में सामाजिक सुधार आन्दोलनों की भूमिका'' विषय पर व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम के अन्त में राष्ट्रगीत सुश्री.नीलम दूबे, सुश्री राधिका शर्मा एवं सुश्री हिमानी मिश्रा ने प्रस्तुत किया।

व्याख्यान माला–समापन समारोह तथा भारत विभाजन की पूर्व संध्या

13 अगस्त को महाविद्यालय में आयोजित राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यान–माला के समापन समारोह तथा भारत विभाजन की पूर्व संध्या पर आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर एवं बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय झाँसी के कुलपति प्रो. सुरेन्द्र दूबे तथा मुख्य वक्ता के रूप में जय प्रकाश विश्वविद्यालय छपरा के कुलपति प्रो. हरिकेश सिंह का मार्गदर्शन एवं उद्‌बोधन विद्यार्थियों को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के पूर्व कुलपति तथा प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष प्रो.यू.पी.सिंह ने की।

कार्यक्रम समापन में सरस्वती वन्दना, स्वागत गीत, एवं राष्ट्रगीत सुश्री अम्बिका सिंह, सुश्री ललिता, सुश्री वर्षा जायसवाल एवं सुश्री नीलम दूबे ने प्रस्तुत किया।

स्वतन्त्रता दिवस समारोह

15 अगस्त को महाविद्यालय में प्रतिवर्ष की भाँति देश का 72 वॉ स्वतंत्रता दिवस समारोह उत्सवपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर ध्वजारोहण के साथ राष्ट्रगान, वन्देमातरम् सहित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमो के अन्तर्गत राष्ट्रभक्ति गीत प्रेरणास्पद उद्बोधन, सामाजिक समस्या आधारित नाटक एवं देश भक्ति नाटक जैसे कार्यक्रम छात्र–छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किया गया। प्राचार्य ने परम्परानुसार अपने उद्बोधन में महाविद्यालय के प्रयत्नों को ही शहीदों को श्रद्धांजलि स्वरूप भेंट करते हुए राष्ट्र निर्माण में महाविद्यालय के योगदान पर व्याख्यान दिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले विद्यार्थी

संचालन– माधुरी उपाध्याय (बी.एस–सी. द्वितीय वर्ष)
हिमानी मिश्रा (बी.एड प्रथम वर्ष)

नाम / कक्षा	कार्यक्रम
♦ रितिक सिंह (बी.एस–सी प्रथम)	देशभक्ति गीत (ऐ मेरे प्यारे चमन)
♦ वैभव गुप्ता (बी.एस–सी. द्वितीय)	अंग्रेजी भाषण
♦ वैदिका–प्रियंका (बी.ए. प्रथम)	युगल देशभक्ति नृत्य
♦ समूह गीत (बी.ए. प्रथम विद्यार्थियों द्वारा)	समूह गीत (चमक निलय जैसे.....)
♦ बी.एड. प्रथम वर्ष के छात्र	नाटक (एकता में शक्ति)
♦ सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा (बी.ए. प्रथम)	एकल गायन (मेरा कर्मा तू मेरा....)
♦ विशाल दूबे (बी.ए. द्वितीय)	हिन्दी भाषण
♦ विद्यावती चौधरी (बी. ए. प्रथम)	एकल देशभक्ति नृत्य
♦ दुर्गेश (बी.ए. तृतीय)	कविता (व्यंग्य)
♦ विराट कन्नौजिया (बी.एस–सी. द्वितीय)	एकल देशभक्ति गायन
♦ रितेश सोनकर(बी.एड. प्रथम)	Motivational Speeh
♦ नशा द्विवेदी (बी. ए. प्रथम)	हिन्दी भाषण
♦ श्री नन्दन शर्मा (छात्रसंघ प्रभारी)	उद्‌बोधन
♦ बी.ए. द्वितीय वर्ष की छात्राओं द्वारा	समूह देशभक्ति नृत्य
♦ बलिराम (बी.ए. प्रथम)	एकल देशभक्ति गायन
♦ आरती गौंड (बी.ए. तृतीय)	एकल नृत्य

स्वतंत्रता दिवस
समारोह

स्वतंत्रता दिवस

स्वतंत्रता दिवस
समारोह

समारोह
महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

हिन्दी दिवस

14 सितम्बर को हिन्दी दिवस के अवसर पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम में प्रतिष्ठित साहित्यकार, समालोचक एवं पूर्वात्तर रेलवे के सेवानिवृत्त महाप्रबन्धक श्री रणविजय सिंह ने सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में सरस्वती वन्दना, स्वागत गीत एवं राष्ट्रगीत सुश्री नीलम दूबे, सुश्री मनीषा वर्मा, सुश्री ललिता, सुश्री निशा त्रिपाठी एवं सुश्री वर्षा जायसवाल ने प्रस्तुत किया।

पोस्टर प्रतियोगिता

15 सितम्बर 'विश्व ओजोन संरक्षण दिवस' के अवसर पर सांस्कृतिक विभाग द्वारा स्वच्छ भारत विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के 38 छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

निर्णायक मण्डल सुश्री दीप्ती गुप्ता, डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव एवं डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने सुश्री शिवांगी राय (बी. ए. द्वितीय वर्ष) को प्रथम, सुश्री गायत्री सिंह चौहान (बी. ए. तृतीय वर्ष) को द्वितीय, श्री अभिषेक सिंह (बी. ए. प्रथम वर्ष) को तृतीय तथा सुश्री प्रियंका दूबे (बी.एस–सी. प्रथम वर्ष) को चतुर्थ स्थान पर घोषित किया।

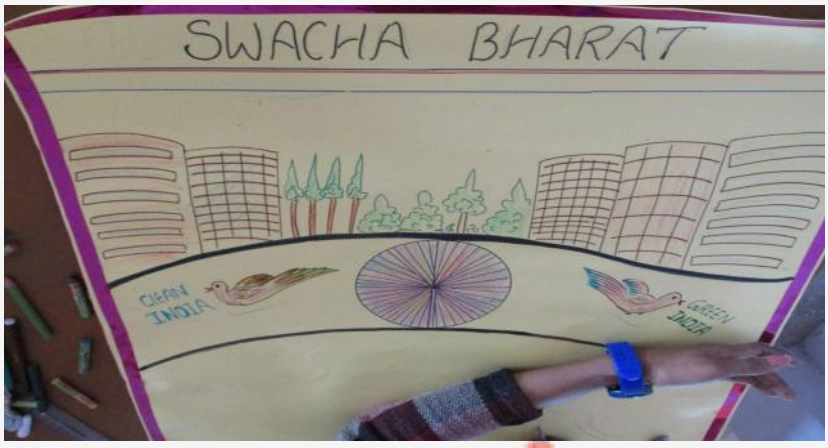

गांधी जयन्ती व लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती

02 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती के अवसर पर महाविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें ध्वजारोहण के उपरान्त राष्ट्रगान एवं वन्देमातरम् सहित विविध कार्यक्रम का उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया।

योगीराज बाबा गम्भीरनाथ स्मृति व्याख्यान कार्यक्रम

06 अक्टूबर को महाविद्यालय में प्रार्थना सभा में योगीराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम एवं योगीराज बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई कढ़ाई केन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में योगीराज बाबा गम्भीरनाथ स्मृति व्याख्यान कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रुप में किसान पी.जी. कालेज सेवरही के पूर्व प्राचार्य डॉ. वेदप्रकाश पाण्डेय ने ''ज्ञान के स्रोत'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती वन्दना से किया गया। अतिथि का स्वागत स्वागत गीत द्वारा सुश्री अनुभा श्रीवास्तव, सुश्री दीपशिखा सिंह, सुश्री शालिनी श्रीवास्तव, सुश्री हेमलता सिंह, सुश्री अनिता ने किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगीत के साथ हुआ।

22–23 अक्टूबर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

महाविद्यालय में उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान, लखनऊ एवं महाविद्यालय द्वारा संचालित गुरू श्री गोरक्षनाथ शोध एवं अध्ययन केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में ''लोक भाषा के संवर्धन में नाथपंथ के योगदान'' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश भाष संस्थान के अध्यक्ष हिन्दी के प्रतिष्ठित साहित्यकार डॉ. राजनारायण शुक्ल एवं प्रतिष्ठित साहित्यकार प्रो. रामदेव शुक्ल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वीरबहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के पूर्व कुलपति प्रो. यू. पी. सिंह ने की।

उद्घाटन समारोह में सुश्री वर्षा जायसवाल, सुश्री मनीषा वर्मा, सुश्री रितिमा पासवान, सुश्री राधिका एवं सुश्री नीलम दूबे ने सरस्वती वन्दना, स्वागत गीत तथा राष्ट्रगीत प्रस्तुत किया।

दूसरे दिन समापन अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में मॉरीशस के शिक्षा मंत्रालय के डॉ. अशोक कुमार रामप्रसन्न, मुख्य वक्ता डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने की।

जिसमें महाविद्यालय की सुश्री वर्षा जायसवाल, सुश्री रितिमा पासवान, सुश्री राधिका, सुश्री नीलम दूबे (बी.एड्. प्रथम वर्ष), अंकिता प्रजापति (बी.ए. प्रथम वर्ष) ललिता गुप्ता एवं अम्बिका (बी.ए. द्वितीय वर्ष) की छात्राओं द्वारा सरस्वती वन्दना, स्वागत गीत, बोध गीत (निर्माणों के पावन युग में.....) एवं (एक नया इतिहास रचें हम....), महाविद्यालय का कुलगीत (यह महाराणाप्रताप प्रख्यावती शिक्षा परिषद ज्ञान की मन्दाकिनी.....) आदि गीत प्रस्तुत किया गया। संगोष्ठी का समापन छात्राओं द्वारा गाए राष्ट्रगीत से हुआ।

यूनियन बैंक द्वारा निबन्ध प्रतियोगिता

29 अक्टूबर को महाविद्यालय में सांस्कृतिक विभाग के तत्वावधान में यूनियन बैंक (केन्द्रीय सतर्कता आयोग) द्वारा चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत ''भारतीय जनता पर नोटबन्दी का प्रभाव'' विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर व्याख्यान देते हुए यूनियन बैक के मुख्य प्रबन्धक श्री प्रवीण शर्मा ने कहा नोट–बन्दी का जन सामान्य पर प्रभाव पड़ा जहाँ एक तरफ कैशलेस ट्रांजेक्शन बढ़ा है वही बचत खातों ने ब्याजदरों में कटौती की है। नोट–बन्दी के चलते काफी बदलाव आए है। आगे इन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से समाज में जागरूकता बढ़ती है तथा अर्थव्यवस्था पर जनसामान्य के विचार भी जानने समझने का मिलता है। प्रतियोगिता में एम.काम. प्रथम वर्ष के श्री कृष्ण कुमार सिंह को प्रथम, बी.ए. द्वितीय वर्ष आराधना गौड़ को द्वितीय, बी.एड. प्रथम वर्ष की प्रियंका मणि त्रिपाठी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। मुख्य अतिथि श्री प्रवीन शर्मा ने विजयी प्रतिभागियों को पुस्कार एवं प्रशस्तीपत्र द्वारा सम्मानित किया।

शैक्षिक प्रदर्शनी

01 नवम्बर को महाविद्यालय में बी.एड. विभाग तथा सांस्कृतिक विभाग द्वारा शुभोत्सव 2018 कार्यक्रम के अंतर्गत कलात्मक एवं रचनात्मक शैक्षिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें बी.एड. प्रथम वर्ष के छात्राध्यापक एवं छात्राध्यापिकाओं ने अपनी रचनात्मक क्षमता का प्रदर्शनी करते हुए समाज के ''ज्वलंतशील मुद्दो (कन्या भ्रूण हत्या, ग्लोबल वार्मिंग, हस्तकला सम्बन्धित सामग्री, प्राथमिक विद्यालयों की स्थिति, वर्षा जल संरक्षण, अपना आदर्श महाविद्यालय, इंटरनेट एडिक्शन आदि विषयों पर बने चार्ट, मॉडल एवं पोस्टर आदि प्रस्तुत किये गये।

शैक्षिक प्रदर्शनी का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव ने किया। उन्होंने छात्राध्यापकों से शैक्षिक प्रदर्शनी के उद्देश्य एवं इसके समाज राष्ट्र की उपयोगिता के संदर्भ में प्रश्न पूछा। छात्राध्यापकों ने प्रदर्शनी के उद्देश्य एवं सिद्धान्तों को बड़ी कुशलतापूर्वक समझाया। महाविद्यालय के शिक्षको तथा छात्र–छात्राओं ने प्रदर्शनी की सराहना की।

उदीयमान कवि गोष्ठी एवं गायन प्रतियोगिता

22 नवम्बर को संस्थापक सप्ताह समारोह के अन्तर्गत उदीयमान कवि गोष्ठी एवं गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उदीयमान कवि गोष्ठी में प्रथम स्थान पर ज्योति सिंह, राजपूत (बी.एस–सी. द्वितीय वर्ष), द्वितीय स्थान पर आराधना गौड़ (बी.ए. द्वितीय वर्ष) एवं विजय कुमार (बी.एड. प्रथम वर्ष) और तृतीय स्थान पर दुर्गेश साहनी (बी.ए. तृतीय वर्ष) एवं रितेश कुमार सोनकर (बी.एड. प्रथम वर्ष), को संयुक्त रूप से प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता में सुश्री रचना सिंह, श्रीमती शिप्रा सिंह तथा श्रीमती विभा सिंह ने निर्णायक की भूमिका का निर्वहन किया। माँ का एहसास, छप्पन इंच सीना, अनपढ़ किसान आदि अनेक काव्य पाठ छात्र–छात्राओं द्वारा किया गया।

गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर वर्षा जायसवाल (बी.एड. प्रथम वर्ष) एवं चन्दन तिवारी (बी.ए. प्रथम वर्ष), द्वितीय स्थान पर बद्रीशनारायण (बी.काम. प्रथम वर्ष), एवं सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा (बी.ए. प्रथम वर्ष) के रहे। गायन प्रतियोगिता में देशभक्ति गीत, भजन, पारम्परिक गीत आदि की प्रस्तुति ने सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में कुल 45 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। गायन प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में डॉ. सौरभ सिंह, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव तथा सुश्री श्वेता चौबे उपस्थित रहीं।

निबन्ध प्रतियोगिता

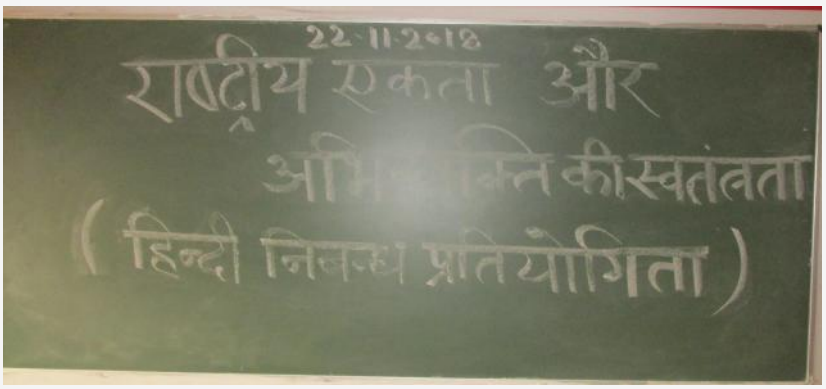

22 नवम्बर को संस्थापक सप्ताह समारोह के अन्तर्गत 'राष्ट्रीय एकता एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में अनुपम कुमार (बी.ए. द्वितीय वर्ष) ने प्रथम, कृष्ण कुमार सिंह (एम.कॉम प्रथम वर्ष) ने द्वितीय, वैभव गुप्ता (बी.एस–सी. द्वितीय वर्ष) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिता में कुल 40 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

संस्थापक सप्ताह उद्घाटन समारोह

4 दिसम्बर को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक समारोह के उद्घाटन अवसर पर निकाली जाने वाली शोभा–यात्रा में विविध महत्वपूर्ण विषयों पर यथा स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, नारी सम्मान, राष्ट्रीयता एवं भारत के स्वाभिमान स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों के बलिदानों को उकेरने वाली महत्वपूर्ण झांकियाँ एवं प्रस्तुतियाँ छात्र–छात्राओं द्वारा शहरीवासियों का ध्यान अपनी ओर आकृष्ट कर रही थीं।

महाविद्यालय को श्रेष्ठ पथ संचलन एवं बेहतरीन प्रस्तुतीकरण के कारण शोभा यात्रा का सर्वश्रेष्ठ संस्था का पुरस्कार प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं वर्षा जायसवाल, राधिका शर्मा, रीतिमा पासवान, नीलम दूबे, निशा त्रिपाठी, नेहा मिश्रा ने मिलकर (बोध गीत एक नया इतिहास रचे हम.....), (रक्त शिराओं में राणा.....), कुलगीत (महाराणाप्रताप प्रख्यावती शिक्षा परिषद ज्ञान....), (निर्माणों के पावन युग में...) आदि गीत प्रस्तुत किया। छात्राओं की प्रस्तुति सराहनीय एवं प्रशंसनीय रहीं।

संस्थापक सप्ताह समापन समारोह

10 दिसम्बर को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषदक के संस्थापक समारोह के अन्तर्गत पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में पिछली कक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं तथा सर्वश्रेष्ठ शिक्षण संस्थान का पुरस्कार महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज जंगल धूसड़ को भारत के महामहिम राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द द्वारा दिया गया।

समापन समारोह में महाविद्यालय की छात्राओं सुश्री शिवांगी मिश्रा, सुश्री राधिका शर्मा, सुश्री रानू सिंह तथा सुश्री श्रेया मिश्रा द्वारा सरस्वती वन्दना, कुल गीत एवं राष्ट्रगीत प्रस्तुत किया गया।

ललित कला महोत्सव

24 दिसम्बर को नेशनल एजूकेशन सोसाइटी, गोरखपुर द्वारा आयोजित ललित कला महोत्सव 2018 का आयोजन किया गया। जिसमें वाद–विवाद, एकल गायन, एकल नृत्य, रंगोली, स्वरचित काव्य पाठ आदि प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई।

विभिन्न प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने भी प्रतिभाग किया और प्रतियोगिता में जीत हासिल की। प्रतियोगिताओं में सम्मिलित विद्यार्थियों की तैयारी सांस्कृतिक विभाग की सह–प्रभारी सुश्री दीप्ती गुप्ता के उचित मागदर्शन में हुई।

प्रतियोगिताओं के विजयी छात्र–छात्राएं

नाम	कक्षा	प्रतियोगिता	स्थान
प्रकाश पाण्डेय	बी. ए. प्रथम	वाद–विवाद / विपक्ष	प्रथम
अंकित तिवारी	बी. ए. तृतीय	वाद–विवाद / पक्ष	प्रथम
माधुरी उपाध्याय	बी.एस–सी. द्वितीय	वाद–विवाद / विपक्ष	द्वितीय
सत्यप्रकाश तिवारी	बी. ए. प्रथम	वाद–विवाद / विपक्ष	द्वितीय
विशाल दूबे	बी. ए. द्वितीय	वाद–विवाद / पक्ष	सान्त्वना
सर्वेश्वर कान्त	बी. ए. प्रथम	एकल गायन	तृतीय
बलिराम रौनियार	बी. ए. प्रथम	एकल गायन	सान्त्वना
बद्रीश नारायण	बी. काम. प्रथम	एकल नृत्य	द्वितीय
दयालु चौहान	बी. ए. तृतीय	एकल नृत्य	सान्त्वना
निखिल अग्रहरि	बी. काम. प्रथम	रंगोली	तृतीय
अभिषेक	बी. ए. प्रथम	रंगोली	सांत्वना

श्री रामचन्द्र मिशन एवं संयुक्त राष्ट्र जन सूचना केन्द्र एवं हार्टफुलनेशन एजूकेशन ट्रस्ट के तत्वावधान में लेखन प्रतियोगिता

06 जनवरी श्री रामचन्द्र मिशन एवं संयुक्त राष्ट्र जन सूचना केन्द्र (भारत एवं भूटान) के संयुक्त तत्वावधान में अखिल भारतीय निबन्ध लेखन प्रतियोगिता 2018 का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक विभाग द्वारा छात्र–छात्राओं को प्रतियोगिता की तैयारी के संग प्रतिभाग कराया गया।

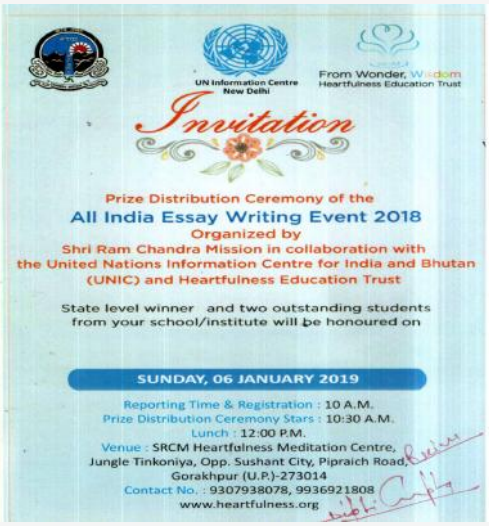

विजेता प्रतिभागी

1. माधुरी उपाध्याय (बी.एस–सी. द्वितीय वर्ष)
2. आराधना गौड़ (बी.ए द्वितीय वर्ष)
3. वैभव गुप्ता (बी.एस–सी. द्वितीय वर्ष)
4. निशान्त त्रिपाठी (बी.एड प्रथम वर्ष)

महाविद्यालय में निबन्ध लेखन प्रतियोगिता में सम्मिलित छात्र–छात्राएं

क्र.सं.	नाम	कक्षा
01	विजय कुमार	बी. एड प्रथम वर्ष
02	वैभव गुप्ता	बी.एस–सी. द्वितीय वर्ष
03	आराधाना गौड़	बी. ए. द्वितीय वर्ष
04	निशान्त त्रिपाठी	बी. एड. प्रथम वर्ष
05	राधिका शर्मा	बी. एड. प्रथम वर्ष
06	विद्यावती	बी. ए. प्रथम वर्ष
07	नीलम दूबे	बी. एड. प्रथम वर्ष
08	किरन वर्मा	बी. ए. प्रथम वर्ष
09	ज्योति विश्वकर्मा	बी.एड. प्रथम वर्ष
10	माधुरी उपाध्याय	बी.एस–सी. द्वितीय

विजेता प्रतिभागियों को रामचन्द्र मिशन संस्था द्वारा पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

भारत–भारती पखवारा का उद्घाटन व विवेकानन्द जयन्ती समारोह

12 जनवरी को भारत–भारती पखवारा का उद्घाटन विवेकानन्द जयन्ती समारोह से हुआ। इस अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के आचार्य प्रो. रविशंकर सिंह द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने की।

कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती वन्दना के साथ हुआ तत्पश्चात सुश्री प्रिया वर्मा, सुश्री मीनाक्षी शर्मा, सुश्री ज्योति राजपूत तथा सुश्री श्वेता सिंह ने स्वागतगीत द्वारा अतिथि का स्वागत किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगीत से हुआ।

गायन प्रतियोगिता

18 जनवरी को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत गायन प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में कुल 20 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कार्यक्रम सह–प्रभारी सुश्री दीप्ती गुप्ता ने कहा कि ''संगीत हजारो सालो से हमारे जीवन का हिस्सा रहा है। संगीत एक थैरेपी की तरह जिसका उपयोग अनेक बिमारियों के इलाज के रूप में भी किया जा रहा है। श्रीमती विभा सिंह, सुश्री श्वेता चौबे तथा डॉ. सौरभ कुमार सिंह निर्णायक की भूमिका में रहे।

गायन प्रतियोगिता में सभी प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। जिसमे बी. ए. प्रथम वर्ष के सर्वेश्वर कांत चन्द्रा ने प्रथम, बी.एड. प्रथम वर्ष की वर्षा जायसवाल तथा बी. एस–सी. द्वितीय वर्ष की ज्योति राजपूत द्वितीय स्थान, तथा बी.ए. प्रथम वर्ष के बलिराम रौनियार और बी.एस–सी. द्वितीय वर्ष के विराट कन्नौजिया को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

गायन प्रतियोगिता के प्रतिभागी

नाम	कक्षा	नाम	कक्षा
बलिराम रौनियार	बी. ए. प्रथम	वर्षा जायसवाल	बी. एड. प्रथम वर्ष
आराधना गौड़	बी. ए. द्वितीय	जागृति मिश्रा	एम. एस–सी. प्रथम वर्ष
ललिता गुप्ता	बी. ए. द्वितीय	प्रवीण साहनी	एम. काम. प्रथम
अम्बिका	बी. ए. द्वितीय	शुभम त्रिपाठी	बी. एड प्रथम
वन्दना पाल	बी. ए. द्वितीय	अविनाश शर्मा	बी. एड. प्रथम
न्दन तिवारी	बी. एड प्रथम	बद्रीश नारायण	बी. काम प्रथम
सर्वेश्वर कांत चन्द्रा	बी. ए. प्रथम	विराट चौरसिया	बी. एस–सी द्वितीय
ज्योति प्रजापति	बी. एस–सी. द्वितीय	शबा खातून	बी. ए. प्रथम
अभिषेक	बी. एड प्रथम	शालू गुप्ता	बी. ए. द्वितीय
दयालु	बी. एड प्रथम	स्नेहा गुप्ता	बी. ए. प्रथम

हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप पुण्यतिथि

19 जनवरी को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप पुण्यतिथि कार्यक्रम में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के राजनीतिशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अमित कुमार उपाध्याय ने बतौर मुख्य वक्ता महाराणा प्रताप के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय संगठन सचिव एवं प्रतिष्ठित इतिहासविद् डॉ. बालमुकुन्द पाण्डेय रहे तथा अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने की।

कार्यक्रम में सरस्वती वन्दना स्वागतगीत, राष्ट्रगान तथा राष्ट्रगीत सुश्री नम्रता उपाध्याय (बी.ए. द्वितीय वर्ष) तथा सुश्री गरिमा (बी.ए. तृतीय वर्ष) ने प्रस्तुत किया।

काशी विद्यापीठ वाराणसी युवा महोत्सव में महाविद्यालय की छात्राओ की प्रतिभागिता

19 जनवरी को काशी विद्यापीठ वाराणसी में आयोजित युवा महोत्सव में वाद–विवाद प्रतियोगिता में महाविद्यालय की बी.एस–सी. द्वितीय वर्ष की माधुरी उपाध्याय एवं बी.एस–सी. द्वितीय वर्ष की ही ज्योति सिंह राजपूत को क्रमशः पक्ष–विपक्ष में बोलते हुए सांत्वना पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र दे कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता हेतु छात्राओं की उचित तैयारी सांस्कृतिक विभाग के मार्गदर्शन में करायी गई।

युवा काव्य पाठ

21 जनवरी को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत सांस्कृतिक विभाग द्वारा युवा काव्य पाठ का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी. ए. प्रथम वर्ष के श्री प्रकाश पाण्डेय प्रथम, बी. ए. प्रथम वर्ष की हिमानी मिश्रा एवं आलोक कुमार तिवारी ने संयुक्त रूप से द्वितीय तथा बी. एस–सी. प्रथम वर्ष की प्रिया दूबे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम में डॉ. राजेश शुक्ल, डॉ. आरती सिंह एवं श्रीमती विभा सिंह ने निर्णायक की भूमिका का निर्वहन किया।

सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती

23 जनवरी को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत राष्ट्रनायक सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती पर आयोजित समारोह में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के इतिहास विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी ने बतौर मुख्य वक्ता नेता जी सुभाष चन्द्र बोस के व्यक्तित्व पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने की।

उक्त अवसर पर सरस्वती वन्दना, स्वागतगीत, राष्ट्रगान तथा राष्ट्रगीत सुश्री दीपिका मिश्रा, सुश्री आकांक्षा सिंह, सुश्री रमा पाण्डेय एवं सुश्री वैष्णवी मिश्रा ने प्रस्तुत किया।

पोस्टर प्रतियोगिता

24 जनवरी को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत सांस्कृतिक विभाग द्वारा हमारा महाविद्यालय विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 20 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी. ए. तृतीय वर्ष की सृष्टि श्रीवास्तव को प्रथम, बी. एस–सी. प्रथम वर्ष की महिमा विश्वकर्मा को द्वितीय, बी. एस–सी. प्रथम वर्ष की खुशी सिंह को तृतीय तथा बी. एस–सी. प्रथम वर्ष की फरहीन खातून को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। निर्णायक मण्डल में रक्षा एवं स्त्राजिक अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. अभिषेक सिंह तथा मनोविज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र तथा डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय रहे।

पढ़ना है, तो जंगल
घूमड़ आयें।

गणतंत्र दिवस समारोह

महाविद्यालय में 70 वें गणतन्त्र दिवस समारोह पर ध्वजारोहण प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रगान के पश्चात भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर व्याख्यान देते हुए प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव ने कहा कि दुनिया को गणतन्त्रात्मक शासन व्यवस्था हमने सिखायी लोकतंत्र भारतीय संस्कृति के रग–रग में है। वर्तमान युग हमारे अपने स्वयत्त पहचानने का युग है तथा 15 अगस्त 2018 में जो संकल्प तथा लक्ष्य तय किये गये थे, आज 26 जनवरी 2019 तक हमने कितना प्राप्त किया है। हमे आत्मावलोकन का आवश्यकता है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वन्दना से हुयी तत्पश्चात् विद्यार्थियों ने नृत्य, गायन, नाटक, भाषण एवं कविता प्रस्तुत की। छात्राओ द्वारा प्रस्तुत समूह नृत्य तथा बी.एड छात्रो द्वारा प्रस्तुत नाटक खूब सराहा गया। कार्यक्रम का समापन वन्दे मातरम् के साथ सम्पन्न हुआ। सभी सांस्कृतिक कार्यक्रम, सांस्कृतिक विभाग के नेतृत्व में सम्पन्न हुए।

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले छात्र–छात्राएं

कार्यक्रम संचालनः–

1. सुश्री माधुरी उपाध्याय (बी.एस–सी. द्वितीय)
2. सुश्री सोनल पाठक (बी.एस–सी. द्वितीय)

नाम	कक्षा	कार्यक्रम
सुश्री आरती गौड़	बी. एस–सी. तृतीय	गणेश वंदना
श्री सर्वेश्वरकान्त चंद्रा	बी.ए. प्रथम	एकल गायन
श्री वैभव गुप्ता	बी.एस–सी द्वितीय	अंग्रेजी भाषण
श्री अक्षय कुमार	बी.एस–सी. प्रथम	एकल गायान
श्री नन्दन शर्मा	छात्रसंघ प्रभारी	उद्बोधन
सुश्री वेदिका	बी. ए. प्रथम	एकल नृत्य
श्री बलिराम	बी. ए. द्वितीय	एकल गायन
श्री मंयक तिवारी	छात्रसंघ अध्यक्ष	उद्बोधन
सुश्री अनिता निषाद	एम. ए. प्रथम	एकल देशभक्ति गीत
श्री प्रकाश	बी. ए. प्रथम	कविता
श्री प्रेम एवं सहयोगी	एम.ए प्रथम, बी.ए. प्रथम	समूह नृत्य
सुश्री शालिनी मिश्रा	बी.काम. तृतीय	कविता
श्री सिद्धार्थ एवं सहयोगी	बी.एड. प्रथम	नाटक (देशभक्ति)
श्री दुर्गेश	बी. ए. तृतीय	काव्यपाठ
श्री अनुपम	बी. ए. तृतीय	हिन्दी भाषण
श्री अंकित पाण्डेय	पुस्तकालय मंत्री	उद्बोधन
सुश्री हिमानी मिश्रा	बी. एड प्रथम	कविता
श्री विशाल कुमार	छात्रसंघ उपाध्यक्ष	उद्बोधन
सुश्री प्रिया सिंह	बी.एस–सी. प्रथम	अंग्रेजी भाषण
श्री अमन एवं सहयोगी	बी. ए. प्रथम	समूह नृत्य

सेण्ट जोसेफ कॉलेज फॉर वूमेन, गोरखपुर
वाद–विवाद प्रतियोगिता

30 जनवरी को सेण्ट जोसेफ कॉलेज फॉर वूमेन, गोरखपुर द्वारा वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

प्रतियोगिता के पक्ष में बोलते हुए बी.एस–सी. प्रथम वर्ष की प्रिया दूबे एवं बी. एस–सी. द्वितीय वर्ष की माधुरी उपाध्याय को तृतीय स्थान एवं विपक्ष में बोलते हुए बी.एड. द्वितीय वर्ष ज्योति सिंह राजपूत को सान्त्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ।

St. Joseph's College for Women, Gorakhpur
(A Catholic Christian Minority Institution Run by the Diocese of Gorakhpur)
NAAC Accredited and 2(f) & 12(B) by UGC
Affiliated to DDU Gorakhpur University, Gorakhpur

CERTIFICATE OF MERIT

This Certifies that

Ms. Priya Dubey D/o Mr. Jay Prakash Dubey

Has participated and secured Consolation Position in the Inter-Collegiate Debate Competition on the theme According to Gandhian Philosophy - Mechanisation is a Threat to Modern Civilization.

Organized by IQAC, St. Joseph's College for Women, Gorakhpur on 30th January '19

Co – ordinator IQAC

Principal

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

01–02 फरवरी को महाविद्यालय में विज्ञान संकाय द्वारा विज्ञान की नवीन प्रवृत्तियाँ विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का उद्घाटन 01 फरवरी को हुआ, जिसमें कार्यक्रम की अध्यक्षता मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर के कुलपति प्रो. श्रीनिवास सिंह ने की। मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के बायोटेक्नोलॉजी विभाग के पूर्व सलाहकार डॉ. ए. निनावे उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राणि विज्ञान विभाग के पूर्व आचार्य एवं अध्यक्ष प्रो. डी. के. सिंह द्वारा संगोष्ठी का बीज वक्तव्य प्रस्तुत किया गया। उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि के तौर पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रसायनशास्त्र विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. हरिजी सिंह, बाबासाहब भीमराव अम्बेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कमान सिंह, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रसायनशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. ओ. पी. पाण्डेय, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के भौतिकी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. सुग्रीव नाथ तिवारी तथा लखनऊ विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. शीला मिश्रा उपस्थित रहे।

02 फरवरी को संगोष्ठी के समापन अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के मा. कुलपति प्रो. वी.के. सिंह का सानिध्य प्राप्त हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में इन्स्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन एण्ड एलाईड सांइसेज (डी.आर.डी.ओ), नई दिल्ली के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनन्त नारायण भट्ट तथा मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बी.एच.यू. वाराणसी के डॉ. वी. रामानाथन का व्याख्यान हुआ।

महाविद्यालय की वर्षा जायसवाल, रितिमा पासवान, राधिका शर्मा, निशा त्रिपाठी, नेहा मिश्रा, नीलम दूबे, मनीषा वर्मा ने बोध गीत (निर्माणों के पावन युग मे.....), (रक्त शिराओं में राणा का....) कुलगीत, स्वागत गीत, सरस्वती वन्दना आदि प्रस्तुत किया।

समावर्तन संस्कार समारोह

10 फरवरी को महाविद्यालय के बारहवें बैच स्नातक एवं आठवें बैच परास्नातक एवं बी.एड. का तीसरे बैच का समावर्तन संस्कार समारोह आयोजित किया गया। महाविद्यालय का समावर्तन संस्कार समारोह इस बात का सूचक है कि हम अपने विद्यार्थियों का एक योग्य नागरिक के रूप में कैसा विकास चाहते हैं। हिन्दू जीवन दर्शन के षोडश संस्कार में 'समावर्तन संस्कार' का मानव जीवन के संस्कार में महत्त्वपूर्ण स्थान है। समावर्तन संस्कार समारोह की अध्यक्षता माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महराज ने की। समारोह के मुख्य अतिथि माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार श्री जे. पी. नड्डा एवं सारस्वत अतिथि के रूप में पूर्व कुलपति पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के प्रो. यू. पी. सिंह रहे। प्रस्ताविकी, अतिथियों का स्वागत एवं आभार महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने किया।

महाविद्यालय की वर्षा जायसवाल, रितिमा पासवान, निशा त्रिपाठी, नीलम दूबे, मनीषा वर्मा ने सरस्वती वन्दना, स्वागतगीत, (बोध गीत निर्माणों के पावन युग में.....), कुलगीत, आदि प्रस्तुत किया।

रंगोली प्रतियोगिता

25 जनवरी को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निर्णायक मण्डल सुश्री दीप्ती गुप्ता, डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव एवं सुश्री रचना सिंह ने सुश्री गायत्री सिंह चौहान (बी.ए. तृतीय वर्ष) को प्रथम, श्री अभिषेक सिंह (बी.ए. प्रथम वर्ष) को द्वितीय, सुश्री दर्शिका गुप्ता (बी.ए. तृतीय वर्ष) को तृतीय घोषित किया।

विजेताओं को बधाई देते हुए सुश्री दीप्ती गुप्ता ने कहा कि रंगो के सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभाव को विज्ञान एवं विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों ने माना है। जब आप रंगो के सम्पर्क में आते है, तो इनसे उत्सर्जित ऊर्जा आप पर प्रभाव डालती है तथा सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है, जिससे मन प्रसन्न और वातावरण बेहद सकारात्मक होता है।

मेंहदी प्रतियोगिता

31 दिसम्बर को मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निर्णायक मण्डल श्रीमती मनीता सिंह, सुश्री पल्लवी नायक एवं सुश्री प्रियंका मिश्रा ने सुश्री शिल्पा सिंह (बी.ए. द्वितीय वर्ष) को प्रथम, सुश्री बेबी गुप्ता (बी.ए द्वितीय वर्ष) को द्वितीय एवं श्री अभिषेक सिंह (बी.ए. प्रथम वर्ष) को तृतीय घोषित किया।

प्रार्थना सभा

01 अगस्त से प्रारम्भ होने वाली प्रार्थना सभा में सांस्कृतिक विभाग सह–प्रभारी सुश्री दीप्ती गुप्ता एवं सांस्कृतिक विभाग की छात्राओं ने सत्र भर सहयोग कर प्रार्थना सभा सम्पन्न करायी।

प्रार्थना सभा में सहयोग करने वाले छात्र–छात्राएं

दिन	नाम	कक्षा
सोमवार मंगलवार	सुश्री मनीषा	बी.ए. प्रथम वर्ष
	सुश्री रागिनी पाल	बी.ए. प्रथम वर्ष
	सुश्री राधिका	एम.ए. द्वितीय वर्ष
	सुश्री निकिता	बी.ए.प्रथम वर्ष
	सुश्री माधुरी उपाध्याय	बी.एस–सी. प्रथम वर्ष
	श्री विशाल दूबे	बी.ए. द्वितीय वर्ष
बुधवार गुरुवार	सुश्री वर्षा जायसवाल	बी.एड. प्रथम वर्ष
	सुश्री नीलम दूबे	बी.एड. प्रथम वर्ष
	सुश्री राधिका शर्मा	बी.एड. प्रथम वर्ष
	सुश्री हिमानी मिश्रा	बी.एड. प्रथम वर्ष
	श्री सिद्धार्थ शुक्ला	बी.एड. प्रथम वर्ष
शुक्रवार	सुश्री ललिता	बी.ए द्वितीय वर्ष
	सुश्री अम्बिका सिंह	बी.ए.द्वितीय वर्ष
	सुश्री स्नेहा गुप्ता	बी.ए. प्रथम वर्ष
	श्री विजय कुमार	बी.एड. प्रथम वर्ष
	श्री अभिषेक	बी.ए. प्रथम वर्ष

सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति

श्रीमती कविता मन्ध्यान्, प्रभारी

सुश्री दीप्ती गुप्ता, सह प्रभारी

सुश्री सुकन्या सिंह	बी.ए. भाग दो
सुश्री साक्षी गुप्ता	बी.ए. भाग दो
सुश्री चन्दा गुप्ता	बी.ए. भाग दो
श्री दिव्यम श्रीवास्तव	बी.ए. भाग तीन
सुश्री रूबी निषाद	बी.ए. भाग तीन

सांस्कृतिक कार्यक्रम मनोरंजन नहीं वरन् संस्कृति की अनुभूति है। सांस्कृतिक कार्यक्रम वह सृजनात्मक गतिविधियाँ है, जो मनुष्य को प्राकृतिक स्थितियों से ऊपर उठाती हैं। शिक्षण संस्थान विचारपूर्वक अपनी सांस्कृतिक विरासत प्रसारित करते हैं। संस्कृति शिक्षा का अभिन्न अंग है और महाविद्यालय का उससे गहरा सम्बन्ध है।

महाविद्यालय की संस्कृति, परिसर का माहौल छात्रो का नैतिक चरित्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। महाविद्यालय अपने परिसर संस्कृति की विविधता बनाये रखने और अपने छात्र–छात्राओं को 'सदचारिता, दूरदृष्टि और अकादमिक उत्कृष्टता' की ओर अग्रसर करने पर लगातार बल देता रहा है।

विभिन्न–विभिन्न समय पर विभिन्न अकादमिक व्याख्यान, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा प्रतियोगिताएं हमारे महाविद्यालय की संस्कृति को जीवित बनाये रहते है।

हमारे महाविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम साल के शुरू से अंत तक होते है तथा महाविद्यालय में घना सांस्कृतिक माहौल बनाए रखते है। महाविद्यालय तथा विभागों में भी अपनी विशेषताओं के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम होते है जैसे अंग्रेजी विभाग में शेक्सपियर के नाटक, प्राचीन इतिहास विभाग में प्राचीन संस्कृति एवं सभ्यता सम्बन्धी कार्यक्रम, भोजपुरी गीत एवं नाटक द्वारा जनजागरूकता, विज्ञान का आम जीवन में योगदान आदि।

महाविद्यालय रंगोली, मेंहदी, पोस्टर, क्राफ्ट (बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट), पाककला जैसी प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्र–छात्राओं में सौन्दर्यात्मक आस्वादन जाग्रत कर निखारने का भी अवसर प्रदान करता है।

सांस्कृतिक विभाग छात्र–छात्राओं के बौद्धिक, भावनात्मक, सामाजिक, नैतिक एवं सौन्दर्य विकास में अहम भूमिका निभाता है। सांस्कृतिक विभाग महाविद्यालय तथा छात्रो के बीच समन्वय, समायोजन एवं भाषण प्रवाह आदि विकसित करने में भी मदद करता है।

उद्देश्य

- सांस्कृतिक विभाग द्वारा आयोजित प्रतियोगिताएं छात्रो में अभिनय, गायन एवं काव्य पाठ को प्रोत्साहित करते है।
- वाद–विवाद में भागीदारी, संगीत, नाटक आदि शिक्षा को पूर्ण करने में मदद करते है।
- वाद–विवाद के माध्यम से छात्र स्वतन्त्र रूप से खुद को अभिव्यक्त करने के लिए सक्षम बनाता है।
- स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने में मदद करता है।
- यह किसी भी काम को संगठित रूप में कैसे करना चाहिए, कौशल विकसित कैसे किया जाए, सहयोग तथा विभिन्न परिस्थितियों में समन्वय कैसे रखा जाए आदि सिखाता है।
- यह सामाजिकरण, आत्म पहचान और आत्म मूल्यांकन का अवसर प्रदान करता है।
- अपनेपन की भावना विकसित करता है।